CROCIDURA NARCONDAMICA

पाठ्यक्रम: जीएस पेपर-III (पर्यावरण और पारिस्थितिकी)

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (ZSI) के वैज्ञानिकों ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के नारकोंडम द्वीप से कीटभक्षी स्तनपायी की एक नई प्रजाति, एक सफेद दांतेदार श्रेव की खोज की है।

CORCIDURA NARCONDAMICA के बारे में

- यह एक कीटभक्षी स्तनपायी है, जो ज्वालामुखीय और निर्जन द्वीप में पाया जाता है।
- श्रेव्स छोटे और माउस जैसे स्तनधारी होते हैं, और वे जंगलों में उप-पत्ती स्तर में रहते हैं।
- यह इस ज्वालामुखीय द्वीप (नार्कोंडम द्वीप) से श्रू की पहली खोज है और यह भारत में सफेद दांतेदार श्रेव (जीनस क्रोसिडुरा) प्रजातियों की संख्या को 11 से 12 तक बढ़ाता है।
- नई प्रजाति मध्यम आकार (सिर और शरीर की लंबाई) की है और जीनू की अन्य प्रजातियों की तुलना में एक मोटी, गहरी पूंछ के साथ गहरे भूरे घने फर के साथ एक अलग बाहरी आकृति विज्ञान है
- ब्रेनकेस जैसी प्रजातियों के क्रैनियोडेंटल पात्रों को गोल किया गया था और कमजोर लैम्बडोइडल लकीरों के साथ ऊंचा किया गया था, जो प्रजातियों को अन्य करीबी कंजेनर्स की तुलना में अलग बनाता है।
- **नारकोंडम द्वीप के बारे में**
- • नारकोंडम द्वीप उत्तरी अंडमान से लगभग 130 किमी पूर्व में स्थित है, और म्यांमार के पश्चिमी तट से लगभग 446 किमी दूर है।
- • यह मोटी वनस्पति द्वीप दक्षिणी तरफ चट्टानों से घिरा हुआ है और तीन चोटियों से घिरा हुआ है, एक ज्वालामुखीय चाप का हिस्सा है जो सुमात्रा से म्यांमार तक उत्तर की ओर जारी है।

राष् ट्रीय जांच एजेंसी

पाठ्यक्रम: जीएस पेपर -II (सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप)

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने राजस्थान के उदयपुर में दर्जी कन्हैया लाल (48) की 28 जून को हुई हत्या की जांच अपने हाथ में ले ली है।

NIA के बारे में

- राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) का गठन राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) अधिनियम, 2008 के तहत किया गया था।
- यह अपराधों की जांच और मुकदमा चलाने के लिए एक केंद्रीय एजेंसी है:
- भारत की संप्रभुता, सुरक्षा और अखंडता, राज्य की सुरक्षा, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों को प्रभावित करना।
- ओ परमाणु और परमाणु सुविधाओं को प्राप्त करता है।
- उच्च गुणवत्ता वाली जाली भारतीय मुद्रा में तस्करी।
- यह संयुक्त राष्ट्र, इसकी एजेंसियों और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों की अंतरराष्ट्रीय संधियों, समझौतों, सम्मेलनों और प्रस्तावों को लागू करता है।
- इसका उद्देश्य भारत में आतंक का मुकाबला करना भी है।

- यह केंद्रीय आतंकवाद विरोधी कानून प्रवर्तन एजेंसी के रूप में कार्य करता है।
- मुख्यालय: नई दिल्ली
- शाखाएं: हैदराबाद, गुवाहाटी, कोच्चि, लखनऊ, मुंबई, कोलकाता, रायपुर और जम्मू।

NIA के लक्ष्य

- जांच के नवीनतम वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करके अनुसूचित अपराधों की गहन पेशेवर जांच को निष्पादित करना।
- भारत के संविधान और देश के कानूनों को बनाए रखना।
- मानव अधिकारों के संरक्षण और व्यक्ति की गरिमा के लिए प्रमुख महत्व।
- नियमित प्रशिक्षण और सर्वोत्तम प्रथाओं और प्रक्रियाओं के संपर्क के माध्यम से एक पेशेवर कार्यबल विकसित करना।
- प्रभावी और त्वरित परीक्षण सुनिश्चित करना।
- एनआईए अधिनियम के कानूनी प्रावधानों के अनुपालन में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ पेशेवर और सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखना।
- अन्य देशों में आतंकवाद से संबंधित कानूनों का अध्ययन और विश्लेषण करना और नियमित रूप से भारत में मौजूदा कानूनों की पर्याप्तता का मूल्यांकन करना और जब भी आवश्यक हो, परिवर्तनों का प्रस्ताव करना।

वैश्विक बुनियादी ढांचे और AMP के लिए साझेदारी निवेश (PGII)

पाठ्यक्रम: जीएस पेपर-II (वैश्विक समूह)

अमेरिकी राष्ट्रपति ने जी-7 के अन्य सदस्य देशों के प्रमुखों के साथ जर्मनी में ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर एंड इन्वेस्टमेंट (पीजीआईआई) पहल के लिए साझेदारी शुरू की है।

PGII के बारे में

- 2021, जी 7 शिखर सम्मेलन में, जी 7 नेताओं ने मूल्य-संचालित, उच्च प्रभाव और पारदर्शी बुनियादी ढांचे की साझेदारी विकसित करने के अपने इरादे की घोषणा की थी।
- यह कम आय वाले और मध्यम आय वाले देशों की विशाल बुनियादी ढांचे की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ अमेरिका और उसके सहयोगियों का समर्थन करने के लिए था। आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा हितों।
- इसके तहत, जी 7 नेताओं ने विकासशील देशों में आवश्यक बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण के लिए 5 वर्षों में निजी और सार्वजनिक धन में $ 600 बिलियन जुटाने का वादा किया।

लक्ष्य

- गुणवत्ता, टिकाऊ बुनियादी ढांचे को वितरित करने के लिए जो दुनिया भर के लोगों के जीवन में अंतर लाता है।
- बुनियादी ढांचे का निर्माण करना जो आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत और विविध बनाता है, नए अवसर पैदा करता है, और सदस्य देशों की राष्ट्रीय सुरक्षा को आगे बढ़ाता है।

चार प्राथमिकता स्तंभ

- जलवायु और ऊर्जा सुरक्षा: जलवायु संकट से निपटने और जलवायु लचीला बुनियादी ढांचे और में निवेश के माध्यम से वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत परिवर्तनकारी ऊर्जा प्रौद्योगिकियों।
- डिजिटल कनेक्टिविटी: आर्थिक विकास को शक्ति देने और खुले डिजिटल समाजों को सुविधाजनक बनाने के लिए सुरक्षित आईसीटी नेटवर्क और बुनियादी ढांचे को विकसित करना, विस्तार करना और तैनात करना।

- लैंगिक समानता और समानता: में निवेश करके लैंगिक समानता और इक्विटी को आगे बढ़ाना-
- देखभाल बुनियादी ढांचा जो महिलाओं द्वारा आर्थिक भागीदारी के अवसरों को बढ़ाता है।
- बेहतर पानी और स्वच्छता बुनियादी ढांचा जो अवैतनिक कार्य और समय के उपयोग में लिंग अंतराल को संबोधित करता है।
- स्वास्थ्य और स्वास्थ्य सुरक्षा: स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे की प्रणालियों को विकसित करना और अपग्रेड करना और वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा में योगदान देना।

भारत और PGII

- अमेरिका ने पीजीआईआई के तहत कई प्रमुख परियोजनाओं की घोषणा की है जो भारत की बुनियादी ढांचे की पहल को भी बढ़ावा देगी।
- यूएस इंटरनेशनल फाइनेंस डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन Omnivore Agritech और Climate Sustainability Fund में $ 30 बिलियन तक का निवेश करेगा।
- यह एक प्रभाव उद्यम पूंजी कोष है जो भारत में कृषि, खाद्य प्रणालियों, जलवायु और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के भविष्य के निर्माण वाले उद्यमियों में निवेश करता है।
- यह फंड उन कंपनियों में निवेश करना चाहता है जो खाद्य सुरक्षा को बढ़ाते हैं और जलवायु लचीलेपन के साथ-साथ भारत में जलवायु अनुकूलन को बढ़ावा देते हैं।
- इसका उद्देश्य चीन की मल्टीट्रिलियन-डॉलर बेल्ट एंड रोड पहल का मुकाबला करना है।

प्रीलिम्स तथ्य

काई चटनी

- ओडिशा कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (OUAT), भुवनेश्वर ने हाल ही में अपने औषधीय गुणों के लिए सिमलीपाल टाइगर रिजर्व और मयूरभंज जिले में इसके आस-पास के जंगलों में लाल बुनकर चींटी काई चटनी के लिए एक भौगोलिक संकेत टैग की मांग की।
- लाल बुनकर चींटियां मयूरभंज के लिए स्वदेशी हैं।
- खट्टे, तीखे लाल बुनकर चींटी चटनी, जिसे स्थानीय रूप से 'काई पिंपूडी' के रूप में जाना जाता है, को अद्वितीय विशेषताओं के लिए माना जाता है।
- लाल बुनकर चींटियां कॉलोनियों में रहती हैं जिनमें पेड़ों पर कई घोंसले होते हैं। प्रत्येक घोंसला अपने लार्वा द्वारा उत्पादित रेशम का उपयोग करके एक साथ सिले गए पत्तों से बना होता है, और तीव्र हवाओं का सामना कर सकता है और पानी से तंग हो सकता है।

हरंगी बांध

- हरंगी बांध कर्नाटक के कोडागु जिले में है।
- यह जलाशय हरंगी नदी के पार एक चिनाई बांध द्वारा बनाया गया है जो कावेरी नदी की सहायक नदी है।

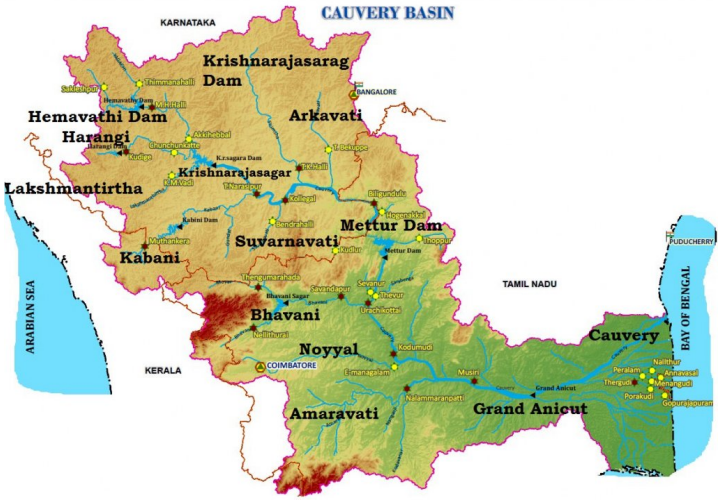

चेनकुरिंजी

- शेंदुर्नी वन्यजीव अभयारण्य का नाम ग्लूटा त्रावणकोरिका से लिया गया है, जो अगस्त्य माला बायोस्फीयर रिजर्व के लिए एक प्रजाति स्थानिक है जिसे स्थानीय रूप से 'चेनकुरिंजी' के रूप में जाना जाता है।
- चेनकुरिंजी एनाकार्डियकीय परिवार से संबंधित हैं।
- ग्लूटा त्रावणकोरिका कभी केरल के कोल्लम जिले में आर्यंकावु दर्रे के दक्षिणी हिस्सों की पहाड़ियों में प्रचुर मात्रा में था, लेकिन इसकी उपस्थिति कम हो गई है क्योंकि यह जलवायु परिवर्तन के लिए अतिसंवेदनशील है।
- पेड़ व्यापक रूप से पांडीमाला, विलककुमारम और रोजमाला जैसे स्थानों पर देखा गया था।
- पोनमुडी के पास शोला जंगलों के अंदर भी पेड़ देखा जाता है, लेकिन इस शोला आवास में प्रभावी परागण शायद ही होता है।
- पेड़ को औषधीय गुण कहा जाता है और इसका उपयोग उच्च रक्तचाप और गठिया के इलाज के लिए किया जाता है।
- हार्टवुड एक गहरे लाल रंग के साथ मजबूत है, और पेड़ पहले लकड़ी के लिए गिर गए थे।

कोणार्क सूर्य मंदिर

- 1250 के आसपास के वर्षों में पूर्वी गंगा राजवंश के राजा नरसिंहदेव प्रथम द्वारा निर्मित, यह 13 वीं शताब्दी का मंदिर हिंदू देवता "सूर्य" (सूर्य) को समर्पित है।
- यह ओडिशा के तट पर और पुरी से लगभग 35 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है।
- कोणार्क में सूर्य मंदिर को यूरोपीय नाविकों द्वारा "ब्लैक पगोडा" कहा जाता था क्योंकि यह बंगाल की खाड़ी से एक विशाल काले स्तरीय टॉवर के रूप में दिखाई दिया था।
- इसी तरह, पुरी में जगन्नाथ मंदिर को 16 वीं - 17 वीं शताब्दी के दौरान शुरुआती यूरोपीय नाविकों के खातों में "व्हाइट पगोडा" के रूप में वर्णित किया गया है।
- 1984 में, इसे यूनेस्को विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया था।
- • पुरी के साथ और भुवनेश्वर के साथ कोणार्क ओडिशा के स्वर्ण त्रिभुज को पूरा करता है, जो ओडिशा राज्य में हिंदुओं के लिए एक प्रमुख तीर्थ यात्रा मार्ग है।
- मंदिर का चेहरा पूर्व की ओर है ताकि सूर्य की प्रारंभिक किरणें मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार पर गिर जाएं।
- यह खोंडालाइट चट्टानों का उपयोग करके बनाया गया है जो एक उप-प्रकार की मेटामॉर्फिक चट्टानें हैं।
- मंदिर में दो पंक्तियों में 12 पहिए हैं, जिनमें से प्रत्येक मंदिर के चारों ओर कुल 24 है, जो सनडायल का प्रतिनिधित्व करता है और इसका उपयोग समय को ठीक से निर्धारित करने के लिए किया जा सकता है।